

Rajasthali Law Institute

Prelims test series

CRPC PAPER-2

(Chapter 12 to 16)

- 1). 'जाल बिछाने' की कार्यवाही, निम्नलिखित में से किसका हिस्सा है?
- (a) जांच का
 - (b) अन्वेषण का
 - (c) विचारण का
 - (d) उपर्युक्त किसी का नहीं

1). The process of 'laying a net' is a part of which of the following?

- (a) Of inquiry
- (b) Of investigation
- (c) Of trial
- (d) None of the above

2) सामान्यतः विचारण का स्थान है -

- (a) जहां अपराध किया गया है
- (b) जहां पीड़िता रहती है
- (c) जहां आरोपी रहता है
- (d) जहां एफआईआर दर्ज की गई है

2) Ordinarily place of trial is -

- (a) where the offence has been committed
- (b) where the victim resides

- (c) where the accused resides
- (d) where the FIR is lodged

3) 'A' एक मानहानिकारक लेख 'B' के विरुद्ध जयपुर में लिखता है। लेख दिल्ली में प्रकाशित होता है। 'A' किस स्थान पर अमरिर्योजित किया जाएगा?

- (a) जयपुर
- (b) दिल्ली
- (c) जयपुर एवं दिल्ली
- (d) जयपुर या दिल्ली

3) 'A' writes a defamatory article against 'B' in Jaipur. The article is published in Delhi. At which place will 'A' be appointed?

- (a) Jaipur
- (b) Delhi
- (c) Jaipur and Delhi
- (d) Jaipur or Delhi

4). अ को सुल्तानपुर में शारीरिक क्षति कारित की गई थी वह उन क्षतियों के कारण लखनऊ में, जहां उसे इलाज हेतु लाया गया था, मर जाता है। निम्नलिखित न्यायालयों में से किस न्यायालय को इस मामले के विचारण हेतु क्षेत्राधिकार होगा?

- (a) सुल्तानपुर
- (b) लखनऊ
- (c) (a) और (b) दोनों को
- (d) उपरोक्त में से किसी को नहीं।

4). A, having suffered bodily injuries at Sultanpur, dies of those injuries at Lucknow, where he was brought for

राजस्थली

Est. 2008

treatment. Which of the following courts will have jurisdiction to try this case?

- (a) Sultanpur
- (b) Lucknow
- (c) Both (a) and (b)
- (d) None of the above.

5) चोरी के अपराध का मुकदमा उस न्यायालय द्वारा चलाया जा सकता है जिसके अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत-

- (a) चोरी की गई है
- (b) चोरी की गई संपत्ति चोर के कब्जे में पाई गई है
- (c) चोरी की गई संपत्ति को आरोपी ने यह जानते हुए भी रखा है कि यह चोरी हुई है
- (d) उपरोक्त में से कोई भी।

5) An offence of theft can be tried by a Court under whose jurisdiction-

- (a) the theft has been committed
- (b) the stolen property is found in possession of thief
- (c) the stolen property is kept by the accused knowing it to be stolen
- (d) Any of the above.

Estd. 2008

6) किसी व्यक्ति के व्यपहरण या अपहरण के किसी अपराध की जांच या विचारण ?

- (a) केवल ऐसे न्यायालय द्वारा की जा सकती है, जिसकी स्थानीय अधिकारिता के अंदर वह व्यक्ति व्यपहत या अपहत किया गया
- (b) केवल ऐसे न्यायालय द्वारा की जा सकती है जिसकी स्थानीय अधिकारिता के अंदर वह व्यक्ति ले जाया गया या छिपाया गया या निरुद्ध किया गया
- (c) उपरोक्त दोनों में से किसी भी जगह
- (d) उपरोक्त दोनों में से किसी भी जगह नहीं

6) Inquiry or trial of any offence of kidnapping or abduction of any person?

- (a) May be made only by such Court within the local jurisdiction of which the person is kidnapped or abducted
- (b) May be tried only by a Court having local jurisdiction to which the person was taken or concealed or deported.
- (c) Any of the above two places
- (d) Not in either of the above places

7) अवयस्क लड़की, जो अपने पिता के साथ इन्दौर में रहती थी, अभियुक्त से प्रेम संबंध होने पर उसके कहने से टैक्सी से अभियुक्त के साथ भोपाल आती है। कुछ दिन बाद वह अभियुक्त के साथ मुंबई में स्थायी तौर पर रहने लगती है। व्यपहरण के अपराध का विचारण कहां होगा?

- (a) इन्दौर
- (b) भोपाल
- (c) मुम्बई
- (d) ऊपर वर्णित सभी स्थानों में से कहीं भी

Estd. 2008

7) The minor girl, who lived with her father in Indore, after having a love affair with the accused, came to Bhopal with the accused by taxi on his request. After a few days, she

starts living permanently in Mumbai with the accused. Where will the crime of kidnapping be tried?

- (a) Indore
- (b) Bhopal
- (c) Mumbai
- (d) Anywhere from all the places mentioned above

8)A ने पटना में भारतीय दण्ड संहिता की धारा 494 के अंतर्गत दण्डनीय द्विविवाह का अपराध कारित किया। गया में वह अपनी पहली पत्नी B के साथ अंतिम बार रहा था, जबकि उत्तकी पहली पत्नी ने अपराध कारित होने के उपरान्त भागलपुर को स्थायी निवास बनाया। इस अपराध का विचारण निम्न में से किस स्थान के समक्ष क्षेत्राधिकार के न्यायालय के द्वारा हो सकता है?

- (a) पटना
- (b) भागलपुर
- (c) गया
- (d) उपर्युक्त सभी

8) A committed the crime of bigamy punishable under section 494 of the Indian Penal Code in Patna. He last lived with his first wife B in Gaya, while his first wife made Bhagalpur her permanent residence after the crime was committed. This offense can be tried by the court having jurisdiction before which of the following places?

- (a) Patna
- (b) Bhagalpur
- (c) Gaya
- (d) All of the above

Estd. 2008

9)A राजकोट-जबलपुर एक्सप्रेस रेलगाड़ी में भोपाल से जबलपुर जा रहा था। इटारसी स्टेशन पर, **A** ने **B** को जो जबलपुर का रहने वाला था गम्भीर चोट कारित कर दी। इस अपराध का परीक्षण निम्न में से किस न्यायालय में होगा?

- (a) भोपाल में जहां से A ने यात्रा प्रारंभ की
- (b) जबलपुर में जहां का B रहने वाला है
- (c) इटारसी में जहां A ने B को गम्भीर चोट पहुंचाई है
- (d) जहां मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय तय करता है

9)A was going from Bhopal to Jabalpur in Rajkot-Jabalpur Express train. At Itarsi station, A caused grievous hurt to B, a resident of Jabalpur. In which of the following courts will this crime be tried?

- (a) Bhopal from where A started the journey
- (b) Jabalpur where B lives
- (c) In Itarsi where A has caused serious injury to B.
- (d) Where the Madhya Pradesh High Court decides

10)'अ' हरिद्वार से वाराणसी तक जाने वाली रेलगाड़ी में लूट कारित करता है। उसकी जांच अथवा विचारण किया जा सकता है ?

- (a) केवल हरिद्वार में
- (b) केवल वाराणसी में
- (c) केवल अपराध कारित करने के स्थान में
- (d) किसी भी न्यायालय में जहां से होकर रेलगाड़ी गुजरती है

10) 'A' commits robbery in a train going from Haridwar to Varanasi. It can be inquired or tried ?

- (a) Only in Haridwar
- (b) Only in Varanasi
- (c) Only in the place of commission of the crime
- (d) In any court through which the train passes.

11)'A' ट्रेन से दिल्ली से मुम्बई यात्रा कर रहा था। रात्रि में उसका सूटकेस चोरी हो गया। ये बात उसे मुम्बई पहुंच कर पता चली। 'B' चोरी किए गए सूटकेस के साथ जयपुर में पकड़ा गया। चोरी के अपराध के लिए 'B' को विचारित किया जा सकता है

- (a) दिल्ली
- (b) मुम्बई
- (c) जयपुर
- (d) उपरोक्त में से कोई भी स्थान

11)'A' was traveling from Delhi to Mumbai by train. His suitcase was stolen in the night. He came to know about this after reaching Mumbai. 'B' was caught in Jaipur with the stolen suitcase. 'B' may be tried for the offense of theft

- (a) Delhi
- (b) Mumbai
- (c) Jaipur
- (d) Any of the above places

12). दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 183 ?

- (a) खुले समुद्री यात्रा पर लागू होती है।
- (b) खुले समुद्री यात्रा पर लागू नहीं होती है।
- (c) भारत तथा खुले समुद्र दोनों यात्राओं पर लागू होती है।
- (d) असंवैधानिक घोषित हो गई है।

12). Section 183 of the Code of Criminal Procedure?

- (a) Applies to high seas voyages.
- (b) Does not apply to high seas voyages.
- (c) Applicable to both Indian and high seas voyages.
- (d) Has been declared unconstitutional.

13) कथन (A) : मिन्न सत्र प्रखण्डों में वादों के विचारण किए जाने के संबंध में आदेश देने की राज्य की शक्ति अत्यन्त सीमित है।

कारण (R): इस असाधारण शक्ति का प्रयोग तब हो सकता है जब लोक-न्याय का कारण इसके प्रयोग को न्यायोचित करता हो।

कूट :

- (a) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है
- (b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है
- (c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है
- (d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है

13) Statement (A): The power of the state to give orders regarding trial of cases in different session divisions is very limited.

Reason (R): This extraordinary power can be used when the cause of public justice justifies its use.

Code :

- (a) Both (A) and (R) are correct, and (R) is the correct explanation of (A)
- (b) Both (A) and (R) are correct, but (R) is not the correct explanation of (A)
- (c) (A) is correct, but (R) is wrong
- (d) (A) is wrong, but (R) is correct

14) जहां एक ही उच्च न्यायालय के अधीनस्थ दो न्यायालयों ने एक ही अपराध का संज्ञान लिया है और यह प्रश्न उठता है कि उनमें से कौन उस अपराध का विचारण करेगा।

- (a) प्रश्न का निर्णय इनमें से किसी एक न्यायालय द्वारा किया जाएगा।
- (b) प्रश्न का निर्णय किसी न्यायालय द्वारा नहीं किया जा सकता है।
- (c) प्रश्न का निर्णय संबंधित उच्च न्यायालय द्वारा किया जाएगा।

(d) प्रश्न पार्टियों पर छोड़ा जा सकता है।

14) Where two Courts subordinate the same High Court have taken cognizance of the same offence and a question arises as to which of them shall try that offence.

- (a) the question shall be decided by any one of these Courts.
- (b) the question cannot be decided by any Court.
- (c) the question shall be decided by the concerned High Court.
- (d) the question can be left to the parties.

15) जहां दो या अधिक न्यायालयों के मध्य क्षेत्राधिकार का प्रयोग विवादित हो तथा ऐसे न्यायालय विभिन्न उच्च न्यायालयों की अधीनस्थता के अंतर्गत हों, तो दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 186 के अंतर्गत विषय विनिश्चित किया जाएगा-

- (a) उच्चतम न्यायालय द्वारा
- (b) ऐसे उच्च न्यायालय द्वारा जिसमें अधिक न्यायाधीश हैं
- (c) ऐसे उच्च न्यायालय द्वारा जिसमें कम न्यायाधीश हैं
- (d) ऐसे उच्च न्यायालय द्वारा जिसके क्षेत्र में कार्यवाहियां प्रथम प्रारंभ हुईं

15) Where the exercise of jurisdiction is disputed between two or more courts and such courts are under the subordination of different High Courts, then the matter will be decided under section 186 of the Code of Criminal Procedure -

- (a) By the Supreme Court
- (b) High courts which have more judges
- (c) A High Court consisting of lesser judges
- (d) By the High Court in which the proceedings first commenced

16) द.प्र.सं. के अंतर्गत जहां दो या अधिक न्यायालय एक ही अपराध का संज्ञान लेते हैं और यह प्रश्न उठता है कि उससे से किसे उस अपराध का विचारण करना चाहिए, वहां वह प्रश्न

बिंदु-1 उच्चतम न्यायालय निर्णीत करेगा।

बिंदु-2 यदि वे न्यायालय एक ही उच्च न्यायालय के अधीनस्थ हैं तो वह उच्च न्यायालय निर्णीत करेगा।

बिंदु-3 यदि वे न्यायालय एक ही उच्च न्यायालय के अधीनस्थ नहीं हैं, तो उस उच्च न्यायालय द्वारा जिसकी अपीलीय दण्डिक अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के अंदर कार्यवाही पहले प्रारंभ की गई है, निर्णीत करेगा।

सही उत्तर चुनिए:

- (a) केवल (1) सही है।
- (b) (ii) एवं (iii) सही हैं।
- (c) (i), (ii) एवं (iii) सभी सही हैं।
- (d) (i) एवं (iii) सही हैं।

16) Under crpc, where two or more courts take cognizance of the same offence and a question arises as to which of them should try that offence, then that question

Point-1 will be decided by the Supreme Court.

Point-2 If those courts are subordinate to the same High Court, then that High Court will decide.

Point-3 If those courts are not subordinate to the same High Court, then the decision will be taken by the High Court within whose local limits of appellate criminal jurisdiction the proceedings were first initiated.

Choose the correct answer:

- (a) केवल (1) सही है।
- (b) (ii) एवं (iii) सही हैं।
- (c) (i), (ii) एवं (iii) सभी सही हैं।
- (d) (i) एवं (iii) सही हैं।

17). यदि मध्य प्रदेश की दो निचली अदालतों ने एक ही अपराध का संज्ञान कर लिया है, और यह प्रश्न है कि उनमें से किसे उस अपराध की जांच या विचारण करना चाहिए। यह प्रश्न निर्णीत किया जाएगा :

- (a) उस न्यायालय द्वारा जिसकी दायिद्विक अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर कार्यवाही पहले प्रारंभ की गई है।
- (b) सत्र न्यायालय द्वारा
- (c) मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा
- (d) सर्वोच्च न्यायालय द्वारा

17). If two lower courts in Madhya Pradesh have taken cognizance of the same offence, and the question is which of them should inquire or try that offence. This question will be decided :

- (a) By the Court within whose local limits of criminal jurisdiction the proceedings were first instituted.
- (b) By the Sessions Court
- (c) By Madhya Pradesh High Court
- (d) By the Supreme Court

18) एक ब्रिटिश नागरिक के द्वारा भारत में पंजीकृत विमान पर अपराध किया गया है। अपराधी के विरुद्ध दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के किस उपबन्ध के अंतर्गत कार्यवाही की जा सकती है ?

- (a) धारा 188
- (b) धारा 183
- (c) धारा 182
- (d) धारा 186

Estd. 2008

18)The crime has been committed by a British citizen on an aircraft registered in India. Under which provision of the

Code of Criminal Procedure, 1973, action can be taken against the criminal?

- (a) Section 188
- (b) Section 183
- (c) Section 182
- (d) Section 186

19)दंड प्रक्रिया संहिता के किस धारा के अंतर्गत भारत के बाहर कारित किए गए अपराधों के संबंध में आपराधिक न्यायालयों का क्षेत्राधिकार बताया गया है?

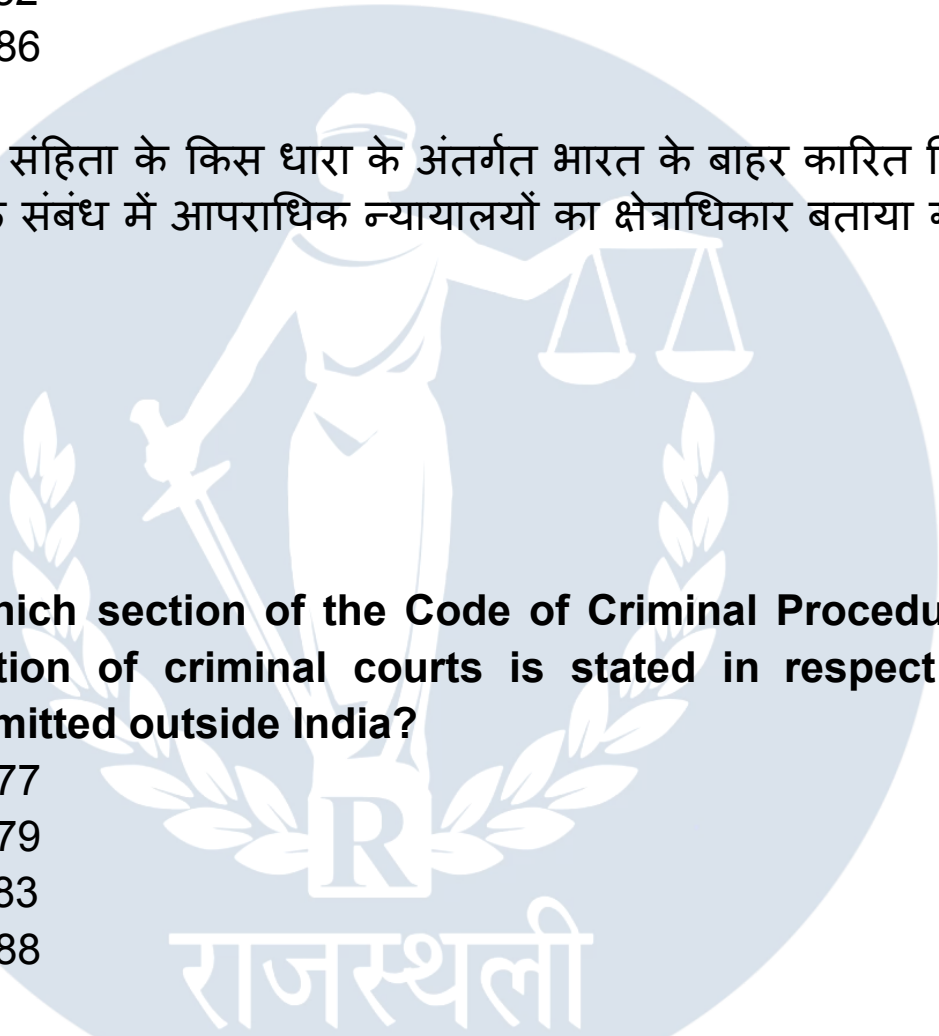
- (a) धारा 177
- (b) धारा 179
- (c) धारा 183
- (d) धारा 188

19)Under which section of the Code of Criminal Procedure, the jurisdiction of criminal courts is stated in respect of crimes committed outside India?

- (a) Section 177
- (b) Section 179
- (c) Section 183
- (d) Section 188

20)दंड प्रक्रिया की संहिता की धारा 154 के अंतर्गत संज्ञेय अपराध के घटित होने संबंधी सूचना कौन दे सकता है?

- (a) केवल स्वयं पीड़ित व्यक्ति
- (b) केवल पीड़ित व्यक्ति के आश्रित
- (c) केवल पीड़ित व्यक्ति के संबंधी
- (d) कोई भी व्यक्ति



Estd. 2008

20) Who can give information regarding the commission of a cognizable offence under Section 154 of the Code of Criminal Procedure?

- (a) Only the victim himself
- (b) Dependents of the victim only
- (c) Only relatives of the victim
- (d) Any person

21) प्रथम सूचना रिपोर्ट (FIR) के संबंध में क्या सही नहीं है?

- (a) यह पुलिस अधिकारी को दी गई सूचना है।
- (b) यह अवश्य ही संज्ञेय अपराध के संबंध में हो।
- (c) यह वह सूचना है जो समय की दृष्टि से प्रथम है।
- (d) यह संज्ञेय और असंज्ञेय दोनों मामलों में दर्ज की जा सकती है।

21) What is not true regarding the First Information Report (FIR)?

- (a) This is the information given to the police officer.
- (b) It must be in relation to a cognizable offence.
- (c) This is the information which is first in terms of time.
- (d) It can be registered in both cognizable and non-cognizable cases.

22). निम्नलिखित संकथनों में से कौन-सा संकथन असत्य है?

- (a) प्रथम सूचना प्रतिवेदन एक पत्र के द्वारा भी दाखिल की जा सकती है।
- (b) प्रथम सूचना प्रतिवेदन एक टेलीफोन के द्वारा भी दाखिल की जा सकती है।
- (c) असंज्ञेय मामलों के कारित करने से संबंधित एक सूचना चाहे मौखिक हो या लिखित जो थाने के भारसाधक अधिकारी को दी जाती है प्रथम सूचना प्रतिवेदन होती है।

Estd. 2008

(d) प्रथम सूचना प्रतिवेदन की एक कापी, निःशुल्क सूचना देने वाले को दी जाएगी।

22). Which of the following conclusions is false?

- (a) First Information Report can also be filed through a letter.
- (b) The first information report can also be filed through a telephone.
- (c) An information, whether oral or written, related to the commission of non-cognizable cases, which is given to the officer in charge of the police station, is a first information report.
- (d) A copy of the first information report will be given to the person giving the information free of cost.

23)संज्ञेय अपराध के किए जाने से संबंधित इतिला के संदर्भ में निम्नलिखित में कौन-सा कथन सही नहीं है?

- (a) वह थाने के भारसाधक अधिकारी को मौखिक रूप से की जा सकती है
- (b) वह थाने के भारसाधक अधिकारी द्वारा या उसके निदेशाधीन लेखबद्ध की जाती है
- (c) सूचना लेखबद्ध किए जाने के बाद सूचना देने वाले के हस्ताक्षर उस पर कराए जाते हैं
- (d) सूचना की प्रतिलिपि, सूचना देने वाले को निःशुल्क नहीं दी जा सकती है

23)Which of the following statements is not correct in the context of information related to the commission of a cognizable offence?

- (a) It can be made orally to the officer in charge of the police station
- (b) It is recorded by or under the direction of the officer in charge of the police station.

(c) After the information is recorded, the signature of the person giving the information is put on it.

(d) A copy of the information cannot be given free of cost to the person giving the information.

24) प्रथम सूचना प्रतिवेदन के संबंध में कौन-सी बात सही नहीं है?

(a) वह सारभूत साक्ष्य नहीं है

(b) वह केवल अनुसंधान का आरम्भ सूचित करता है

(c) उसका उपयोग किसी भी उद्देश्य के लिए पूर्व कथन के रूप में नहीं किया जा सकता

(d) सूचना देने वाला आवश्यक नहीं कि एक चक्षुदर्शी साक्षी हो

24) Which thing is not correct regarding First Information Report?

(a) It is not material evidence

(b) It only marks the beginning of research

(c) It cannot be used as a prior statement for any purpose

(d) The person giving information is not necessarily an eyewitness.

25) निम्नांकित पर विचार कीजिए-

बिंद-1 प्रथम सूचना रिपोर्ट अपराध कारित होने की सूचना मात्र है

बिंद-2 प्रथम सूचना रिपोर्ट अपने आप में एक सारभूत साक्ष्य है।

उपरोक्त में

(a) (1) सही है, किन्तु (2) गलत है।

(b) (1) गलत है, किन्तु (2) सही है।

(c) (1) तथा (2) दोनों सही हैं।

(d) (1) तथा (2) दोनों गलत हैं

25) Consider the following-

Point-1 First Information Report is the quality of information about the commission of a crime.

Point-2 First Information Report is an essential symbol in itself.

in the above

- (a) (1) is correct, but (2) is wrong.
- (b) (1) is wrong, but (2) is correct.
- (c) Both (1) and (2) are correct.
- (d) Both (1) and (2) are wrong

26) क्या विधि के अंतर्गत एक ही घटना से संबंधित दो प्रथम सूचना प्रतिवेदनों पर आधारित अन्वेषण अनुयोज्य हैं?

- (a) हां, किन्तु दो भिन्न अनुसंधान एजेंसी द्वारा
- (b) नहीं
- (c) हां, उसी अनुसंधान एजेंसी द्वारा
- (d) पूर्व अवसर पर धारा 173 (2) के अंतर्गत प्रतिवेदन अग्रेषित करने के बाद नहीं

26) Is investigation based on two first information reports related to the same incident applicable under the law?

- (a) Yes, but by two different research agencies
- (b) No
- (c) Yes, by the same research agency
- (d) Not after forwarding the report under section 173 (2) on the previous occasion

27) निम्नलिखित में से कौन-सा सही सुमेलित है?

- (a) संज्ञेय मामलों में इत्तिला - धारा 154
- (b) साक्षियों की हाजिरी की अपेक्षा करने की पुलिस अधिकारी की शक्ति- धारा 161

Estd. 2008

राजस्थानी

- (c) पुलिस अधिकारी द्वारा तलाशी धारा 166
(d) जब साक्ष्य पर्याप्त है तब मामलों का मजिस्ट्रेट के पास भेज दिया जाना - धारा 171

27) Which of the following is correctly matched?

- (a) Information in cognizable cases - Section 154
(b) Power of police officer to require attendance of witnesses – Section 161
(c) Search by police officer -Section 166
(d) When the evidence is sufficient then the cases are decided by the Magistrate.
Being sent away - Section 171

28) असंज्ञेय अपराध के अन्वेषण की अनुमति दी जा सकेगी-

- (a) भारत के किसी भी हिस्से के मजिस्ट्रेट द्वारा
(b) प्रदेश के किसी भी हिस्से के मजिस्ट्रेट द्वारा
(c) उस अपराध के विचारण का क्षेत्राधिकार रखने वाले मजिस्ट्रेट द्वारा
(d) सत्र न्यायाधीश द्वारा

28) Permission for investigation of non-cognizable offence may be granted-

- (a) By a Magistrate in any part of India
(b) By a Magistrate of any part of the State
(c) By a Magistrate having jurisdiction to try that offence.
(d) By the Sessions Judge

Estd. 2008

29) निम्नलिखित में से कौन मजिस्ट्रेट के आदेश के बिना भी संज्ञेय मामले में अन्वेषण कर सकता है?

- (a) पुलिस अधीक्षक
(b) उप पुलिस महानिरीक्षक

- (c) उप पुलिस अधीक्षक
- (d) थाने का भारसाधक अधिकारी

29) Who among the following can conduct investigation in a cognizable case even without the order of the Magistrate?

- (a) Superintendent of Police
- (b) Deputy Inspector General of Police
- (c) Deputy Superintendent of Police
- (d) Officer In-charge of the police station

30) दण्ड प्रक्रिया संहिता की किस धारा में अन्वेषण अधिकारी गवाह के कथन का अभिलेख करता है?

- (a) धारा 160
- (b) धारा 162
- (c) धारा 161
- (d) धारा 164

30) Under which section of the Code of Criminal Procedure does the investigating officer record the statement of a witness?

- (a) Section 160
- (b) Section 162
- (c) Section 161
- (d) Section 164

Estd. 2008

31) पुलिस द्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 161 के अंतर्गत कथन अभिलिखित किए जाते हैं-

- (a) विचारण के दौरान
- (b) अन्वेषण के पूर्व

- (c) अन्वेषण के दौरान
- (d) जांच के दौरान

31) Statements are recorded by the police under Section 161 of the Code of Criminal Procedure 1973-

- (a) During trial
- (b) Before investigation
- (c) During investigation
- (d) During inquiry

32) निम्नलिखित में से किस मामले में यह निर्णीत किया गया है कि दं.प्र.सं. की धारा 161 (2) के अधीन एक व्यक्ति संरक्षण प्राप्त करने का अधिकार रखता है उन प्रश्नों जिनके उत्तरों की प्रवृत्ति उसे आपराधिक आरोप की आशंका में डालने की है?

- (a) नन्दिनी सत्पथी बनाम पी.एल. दानी
- (b) ग्यानसिंह बनाम राज्य
- (c) रुपन देवल बजाज बनाम के.पी.एस. गिल
- (d) आर. के डालमिया बनाम दिल्ली प्रशासन

32) In which of the following cases it has been decided that the. Under section 161(2) of the Crpc, a person has a right to receive protection from questions the answers to which would tend to expose him to criminal charge?

- (a) Nandini Satpathy vs. P.L. Dani
- (b) Gyan Singh vs. State
- (c) Rupan Deval Bajaj vs. K.P.S. Gill
- (d) R. K Dalmiya vs Delhi Administration

33) अन्वेषण के दौरान धारा 161 दंड प्रक्रिया संहिता के तहत पुलिस द्वारा लिपिबद्ध कथन ?

- (a) विचारण के दौरान किसी उद्देश्य के लिए प्रयुक्त नहीं किए जा सकते
- (b) केवल साक्षी की संपुष्टि के लिए प्रयुक्त किए जा सकते हैं
- (c) केवल साक्षी की साक्ष्य में विरोधाभास साबित करने हेतु प्रयुक्त किए जा सकते हैं
- (d) इनमें से कोई नहीं

33) Statement recorded by the police during investigation under Section 161 of the Code of Criminal Procedure?

- (a) Cannot be used for any purpose during trial
- (b) Can be used only to corroborate the witness
- (c) Can be used only to prove contradiction in the evidence of a witness
- (d) none of these

34) निम्नलिखित में से कौन-सा कथन, कथनकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित किया जाना जरूरी नहीं है?

- (a) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 313 के तहत दिया गया कथन
- (b) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 164 के तहत किया गया कथन
- (c) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 161 के तहत किया गया कथन
- (d) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 164 के तहत अभियुक्त का कथन (संस्वीकृति)

34) Which of the following statements is not required to be signed by the deponent?

- (a) Statement given under Section 313 of the Code of Criminal Procedure
- (b) Statement made under Section 164 of the Code of Criminal Procedure

(c) Statement made under Section 161 of the Code of Criminal Procedure

(d) Statement (confession) of the accused under section 164 of the Code of Criminal Procedure

35) धारा 164(3) दण्ड प्रक्रिया संहिता के अनुसार, यदि मजिस्ट्रेट के समक्ष हाजिर व्यक्ति यह कथन करता है कि संस्वीकृति करने के लिये इच्छुक नहीं है, तो मजिस्ट्रेट उसे ?

(a) पुलिस की अभिरक्षा में निरोध को प्राधिकृत नहीं करेगा।

(b) पुलिस की अभिरक्षा में निरोध को प्राधिकृत करेगा।

(c) जमानत पर रिहा करेगा।

(d) दण्डित करेगा।

35) According to Section 164 (3) of the Code of Criminal Procedure, if a person present before the Magistrate states that he is not willing to make a confession, then the Magistrate can ask him?

(a) Shall not authorize detention in police custody.

(b) Authorize detention in police custody.

(c) Will release on bail.

(d) Will punish.

36) यदि कोई मजिस्ट्रेट अभियुक्त की संस्वीकृति लिखने के पूर्व शपथ दिलाता है, तो ऐसा संस्वीकृतियुक्त कथन-

(a) विधिक होकर साक्ष्य में ग्राह्य होगा

(b) अविधिक होकर साक्ष्य में अग्राह्य होगा

(c) विधिक होगा किन्तु केवल संपोषण होने पर ही ग्राह्य होगा

(d) अविधिक होगा किन्तु अन्य साक्ष्य से संपोषण होने पर ग्राह्य हो जायेगा

36) If a Magistrate administers an oath before recording the confession of the accused, such confessional statement shall be-

- (a) Will be legal and admissible in evidence
- (b) Being illegal it will be inadmissible in evidence
- (c) Will be legal but will be admissible only if there is maintenance
- (d) will be illegal but will become admissible if supported by other evidence

37)दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 164 के तहत संस्वीकृति मजिस्ट्रेट अभिलिखित कर सकता है ?

- (a) विचारण के दौरान
- (b) अन्वेषण के दौरान
- (c) विचारण या अन्वेषण के दौरान
- (d) अन्वेषण के क्रम में परंतु जांच या विचारण प्रारंभ होने के पूर्व

37)Can a Magistrate record a confession under Section 164 of the Code of Criminal Procedure, 1973?

- (a) During trial
- (b) During investigation
- (c) During trial or investigation
- (d) In the course of investigation but before the commencement of inquiry or trial.

38)सीआरपीसी की धारा 164 के तहत दर्ज एक गैर संस्वीकृतियुक्त कथन?

- (a) एक महत्वपूर्ण साक्ष्य है
- (b) कोई ठोस साक्ष्य नहीं है
- (c) तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर ठोस साक्ष्य हो भी सकता है और नहीं भी
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Estd. 2008

38) A non confessional statement recorded under Section 164 of Cr.P.C.?

- (a) is a substantive piece of evidence
- (b) is not a substantive piece of evidence
- (c) may or may not be substantive evidence depending upon the facts and circumstances
- (d) None of the above

39) सीआरपीसी के अध्याय 13 में क्या शामिल होगा?

- (a) धारा 154 से 176
- (b) धारा 174 से 180
- (c) धारा 176 से 189
- (d) धारा 177 से 189

39) Chapter 13 of crpc shall contain?

- (a) Section 154 to 176
- (b) Section 174 to 180
- (c) Section 176 to 189
- (d) Section 177 to 189

40) सीआरपीसी का अध्याय 13 किससे संबंधित है?

- (a) जांच और अन्वेषण में आपराधिक न्यायालय का क्षेत्राधिकार
- (b) पुलिस को जानकारी और जांच करने की उनकी शक्तियां
- (c) कार्यवाही शुरू करने के लिए आवश्यक शर्तें
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

40) Chapter 13 of crpc deals with?

- (a) Jurisdiction of criminal court in investigation and trials
- (b) Info to the police and their powers to investigate
- (c) Conditions Requisite For Initiation Of Proceedings
- (d) None of the above

41) दंड प्रक्रिया संहिता में मजिस्ट्रेट द्वारा अपराधों के संज्ञान लिए जाने के कौन-से तरीके दिए गए हैं?

- (a) केवल परिवाद प्राप्त किए जाने पर
- (b) केवल पुलिस रिपोर्ट के आधार पर
- (c) केवल पुलिस रिपोर्ट के अतिरिक्त सूचना प्राप्त होने पर
- (d) उपरोक्त सभी

41) What methods of taking cognizance of crimes are given by the Magistrate in the Code of Criminal Procedure?

- (a) Only on receipt of complaint
- (b) Only on the basis of police report
- (c) Only on receipt of information in addition to the police report
- (d) All of the above

42) परिवाद पर मजिस्ट्रेट किसी अपराध का संज्ञान ले सकता है यदि उसकी राय में ?

- (a) दोषसिद्धि के लिए पर्याप्त आधार है
- (b) अभियुक्त का कोई संभाव्य बचाव नहीं है
- (c) अभियुक्त निर्दोष नहीं है
- (d) संज्ञान लेने के लिए पर्याप्त आधार है

Estd. 2008

42) A magistrate can take cognizance of an offence on complaint if in his opinion?

- (a) there is sufficient ground for conviction
- (b) There is no possible defense for the accused

- (c) The accused is not innocent
- (d) There is sufficient ground to take cognizance

43)दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 190 (2) के अंतर्गत द्वितीय श्रेणी मजिस्ट्रेट को निम्न में से कौन, अपराधों का संज्ञान लेने के लिए अधिकृत कर सकता है?

- (a) उच्च न्यायालय
- (b) सत्र न्यायालय
- (c) मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट
- (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

43)Under Section 190 (2) of the Code of Criminal Procedure, 1973, who among the following can authorize the Second Class Magistrate to take cognizance of crimes?

- (a) High Court
- (b) Sessions Court
- (c) Chief Judicial Magistrate
- (d) None of the above

44)दंड प्रक्रिया संहिता की कौन-सी धारा किसी सेशन न्यायालय को निषिद्ध करती है कि वह आरंभिक अधिकारिता वाले न्यायालय के रूप में किसी अपराध का संज्ञान तब तक नहीं करेगा, जब तक मामला इस संहिता के अधीन मजिस्ट्रेट द्वारा उसके सुपुर्व नहीं कर दिया गया है?

- (a) धारा 190
- (b) धारा 193
- (c) धारा 200
- (d) धारा 208

Estd. 2008

44)Which section of the Code of Criminal Procedure prohibits a Court of Session from taking cognizance of any

offence as a Court of original jurisdiction unless the case has been committed to it by a Magistrate under this Code? Is?

- (a) Section 190
- (b) Section 193
- (c) Section 200
- (d) Section 208

45) उन्मोचन का आदेश-

- (a) निर्णय नहीं है
- (b) बिना नये तथ्यों और अच्छे साक्ष्य के नई कार्यवाहियों में प्रतिरक्षा नहीं है
- (c) औपचारिक आरोपपत्र की विरचना के बाद होता है
- (d) अभियुक्त की निर्दोषिता स्थापित करता है

45) Order of discharge-

- (a) There is no decision
- (b) There is no immunity in new proceedings without new facts and good evidence
- (c) Occurs after framing of formal charge sheet
- (d) Establishes the innocence of the accused

46) यदि परिवादी मामले की सुनवाई के दिन अनुपस्थित है तो मजिस्ट्रेट स्वविवेक से कुछ विशेष परिस्थितियों में अभियुक्त को उन्मोचित कर सकता है"।

निम्नलिखित में से किस परिस्थिति में अभियुक्त को उन्मोचित नहीं किया जा सकता?(U.P. A.P.O. 2007)

- (a) जब आरोप विरचित किया जा चुका हो
- (b) जब अपराध शमनीय हो
- (c) जब अपराध असंज्ञेय हो
- (d) जब कार्यवाही परिवाद पर संस्थित की गई हो

46) If the complainant is absent on the day of hearing of the case, the Magistrate may, in his discretion, discharge the accused in certain special circumstances.

In which of the following circumstances the accused cannot be discharged?

- (a) When the charge has been framed
- (b) When the offence is compoundable
- (c) When the offence is non-cognizable
- (d) When proceedings have been instituted on complaint

47) साधारण चोट पहुंचाने के एक मुकदमे में सेशन्स जज ने एक अभियुक्त को केवल एक मास के साधारण कारावास से दण्डित किया है। जज ?(Jharkhand (CJ) 2012)

- (a) ने अपनी शक्तियों की सीमा में कार्य किया है।
- (b) ने अविधिक कार्य किया है।
- (c) मुकदमे का परीक्षण नहीं कर सकता था।
- (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

47) In a case of causing simple hurt, the Sessions Judge has sentenced an accused to simple imprisonment for only one month. Judge ?

- (a) Has acted within the limits of his powers.
- (b) Has done illegal work.
- (c) Could not try the case.
- (d) None of the above

48) धारा 190 दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के अंतर्गत कौन संज्ञान ले सकता है ?(M.P.A.D.P.O. 2013, 2015)

Uttarakhand (CJ) 2014)

- (a) सेशन न्यायाधीश
- (b) उच्च न्यायालय

- (c) न्यायिक मजिस्ट्रेट
- (d) जिला मजिस्ट्रेट

48) Who can take cognizance under Section 190 Code of Criminal Procedure, 1973 ?

- (a) Session Judge
- (b) High Court
- (c) Judicial Magistrate
- (d) District Magistrate

49) क्या किसी सेशन न्यायालय को किसी ऐसे व्यक्ति को विचारण में शामिल करने की शक्ति है, जिसके विरुद्ध सुपुर्दगी आदेश न हो?

(U.P.H.J.S. (P-II) 2018)

- (a) नहीं
- (b) हाँ
- (c) वाद के तथ्यों पर निर्भर करता है
- (d) उच्च न्यायालय से अनुमति प्राप्त होने पर

49) Does a Sessions Court have the power to include in the trial a person against whom there is no commitment order?

- (a) No
- (b) Yes
- (c) Depends on the facts of the case
- (d) On receipt of permission from the High Court

Estd. 2008

50) सुक्रमनियम स्वामी बनाम डॉ. मनमोहन सिंह के निर्णय में उच्चतम न्यायालय ने दण्ड प्रक्रिया संहिता तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के अधीन गवर्मेंट सेवकों के अभियोजन के लिए अधिकतम कितनी अवधि में संस्वीकृति देने को कहा है? (U.P. A.P.O. 2011)

- (a) दो मास
- (b) तीन मास
- (c) चार मास
- (d) छः मास

50) In the decision of Sukramaniam Swamy vs. Dr. Manmohan Singh, the Supreme Court has asked to give a maximum period of sanction for the prosecution of government servants under the Code of Criminal Procedure and Prevention of Corruption Act, 1988?

- (a) two months
- (b) three months
- (c) four months
- (d) six months

51) जब कोई किसी ऐसे अपराध का अभियुक्त हो, जो उसके द्वारा कर्तव्य पालन के दौरान किया गया है, तो कोई भी न्यायालय निम्नलिखित में से किसकी पूर्व स्वीकृति के बिना उस अपराध का संज्ञान नहीं करेगा?(M.P. (CJ) 1993)

- (a) राज्य सरकार
- (b) उच्च न्यायालय
- (c) राज्य सरकार के परामर्श से उच्च न्यायालय
- (d) राज्य का राज्यपाल

51) When someone is accused of an offence which has been committed by him in the performance of his duty, no court shall take cognizance of that offence without the previous approval of which of the following?

- (a) State government

- (b) High Court
- (c) High Court in consultation with the State Government
- (d) Governor of the state

52)दण्ड प्रक्रिया संहिता की किस धारा में विवाह के विरुद्ध अपराध के लिए अभियोजन के संबंध में प्रावधान है?(U.P. A.P.O. 2002, 2015 Uttarakhand A.P.O. 2010 Uttarakhand (CJ) 2009)

- (a) धारा 198
- (b) धारा 199
- (c) धारा 196
- (d) धारा 197

52)Which section of the Code of Criminal Procedure has provisions regarding prosecution for offence against marriage?

- (a) Section 198
- (b) Section 199
- (c) Section 196
- (d) Section 197

53)अपराध जिसका विचारण सिर्फ परिवाद पर ही हो सकता है?(Raj. J.L.O. 2014)

- (a) चोरी
- (b) विवाह के विरुद्ध अपराध
- (c) बलात्कार
- (d) आपराधिक मानव वध

Estd. 2008

53) Crime which can be tried only on complaint?

- (a) Theft
- (b) Offence against marriage

- (c) Rape
- (d) Culpable homicide

54)निम्नलिखित में से दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की कौन सी धारा न्यायाधीशों के अभियोजन से संबंधित है?(Uttaranchal (CJ) 2002, 2005, 2008

Bihar (CJ) 2008, 2009

U.P.A.P.O. (Spl.) 2007)

- (a) धारा 195
- (b) धारा 196
- (c) धारा 197
- (d) धारा 198

54)Which of the following sections of the Code of Criminal Procedure, 1973 is related to the prosecution of judges?

- (a) Section 195
- (b) Section 196
- (c) Section 197
- (d) Section 198

55)संघ के सशस्त्र बलों का कोई भी सदस्य अपने पदीय कर्तव्यों का निर्वहन करने में तब तक गिरफ्तार नहीं किया जा सकता जब तक निम्नांकित में से किसकी सहमति नहीं ले ली जाती है?(Uttarakhand (CJ) 2012)

- (a) सुरक्षा मंत्री की
- (b) वित्त मंत्री की
- (c) संबंधित राज्य सरकार की **Estd. 2008**
- (d) केंद्रीय सरकार की

55) No member of the Armed Forces of the Union can be arrested in the discharge of his official duties unless the consent of which of the following is obtained?

- (a) Security Minister
- (b) Finance Minister
- (c) Of the concerned state government
- (d) Central Government

56) जब किसी मामले में कोई न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट वैयक्तिक रूप से हितबद्ध है तो मामले का तब तक न तो विचारण करेगा न ही विचारार्थ सुपुर्द करेगा और न ही कोई अपील ऐसे मामले में सुनेगा, जब तक कि-(U.P. A.P.O. 2005, 2007)

- (a) उच्च न्यायालय की अनुज्ञा न ली गई हो
- (b) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की अनुज्ञा न ली गई हो
- (c) उसके अपीलीय न्यायालय की अनुज्ञा न ली गई हो
- (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

56) When a Judge or Magistrate is personally interested in any case, he shall neither try the case nor commit it for consideration nor hear any appeal in such case unless -

- (a) permission of the High Court has not been taken
- (b) The permission of the Chief Justice of the High Court has not been taken
- (c) the permission of his appellate court has not been obtained
- (d) None of the above

57) दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 195 Clause (3) के अंतर्गत "न्यायालय" शब्दावली में सम्मिलित है :(Uttarakhand (CJ) 2016 Raj J.L.O. 2014)

- (a) केवल सिविल न्यायालय
- (b) केवल आपराधिक न्यायालय
- (c) केवल राजस्व न्यायालय
- (d) सभी सिविल, आपराधिक व राजस्व न्यायालय

57) Under Section 195 Clause (3) of the Code of Criminal Procedure, 1973, the terminology "Court" includes:

- (a) Civil courts only
- (b) Criminal Court only
- (c) Revenue Court only
- (d) All civil, criminal and revenue courts

58) किसी साक्षी या व्यक्ति को मिथ्या साक्ष्य देने के लिए धमकाने पर परिवाद पेश किया जा सकता है -(M.P.H.J.S. 2019)

- (a) साक्षी या अन्य कोई भी व्यक्ति
- (b) पुलिस
- (c) न्यायालय
- (d) न्यायालय द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति

58) A complaint can be filed for threatening a witness or person to give false evidence -

- (a) The witness or any other person
- (b) Police
- (c) Court
- (d) A person authorized by the court

59) अभियोजन की पूर्व स्वीकृति संबंधी धारा 197 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अधीन संरक्षण प्राप्त है -(M.P. A.P.O. 1993)

Uttarakhand (CJ) 2012)

- (a) सभी लोक सेवकों को

- (b) केवल न्यायाधीश एवं मजिस्ट्रेट को
(c) संघ के सशस्त्र बल के किसी सदस्य तथा राज्य सरकार के यथा विनिर्दिष्ट बल के सदस्य को जबकि उसके द्वारा किए गए अपराध के बारे में यह अभिकथित है कि वह उसके द्वारा तब किया गया था जब वह अपने पदीय कर्तव्य के निर्वहन में कार्य कर रहा था अथवा ऐसा करना तात्परित था.
(d) ऊपर उल्लिखित (a, b, c) सभी व्यक्तियों को

59) Protection is available under Section 197 of the Code of Criminal Procedure regarding prior approval of prosecution - (M.P. A.P.O. 1993)Uttarakhand (CJ) 2012)

- (a) To all public servants
(b) Only judges and magistrates
(c) To any member of the Armed Forces of the Union and to a member of such force as may be specified by the State Government, when the offence committed by him is alleged to have been committed by him while he was acting in the discharge of his official duties; Was doing or was intending to do so.
(d) All the persons mentioned above (a, b, c)

60) दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 199(2) के अंतर्गत संस्थित मामले में अपनाई गई विचारण प्रक्रिया होती है-(Raj. J.L.O. 2014)

- (a) सत्र विचारण
(b) पुलिस-रिपोर्ट के आधार पर संस्थित वारंट विचारण
(c) पुलिस-रिपोर्ट से अन्यथा संस्थित वारंट विचारण
(d) सम्मन विचारण

60) The trial procedure adopted in a case instituted under Section 199(2) of the Code of Criminal Procedure is-

- (a) Session trial
- (b) Warrant trial instituted on the basis of police report
- (c) Warrant trial instituted otherwise than on police report
- (d) Summons trial

61) भारतीय दण्ड संहिता के अध्याय XX के अंतर्गत दण्डनीय किसी अपराध का संज्ञान सामान्यतया निम्नांकित में से किसके द्वारा प्रस्तुत परिवाद पर लिया जाएगा?(M.P. A.P.O. 2008)

- (a) पीड़ित व्यक्ति
- (b) पुलिस अधिकारी
- (c) सामाजिक कार्य में रुचि रखने वाला व्यक्ति
- (d) उपर्युक्त में से कोई भी

61) Cognizance of an offence punishable under Chapter XX of the Indian Penal Code will generally be taken on a complaint filed by which of the following?

- (a) Victimized person
- (b) Police officer
- (c) A person interested in social work
- (d) Any of the above

62) कोई न्यायालय ऐसे किसी अपराध का संज्ञान उस अपराध से व्यथित किसी व्यक्ति अथवा उसके संबंधी (जो रक्त, विवाह या दत्तक से संबंधित है) द्वारा किए गए परिवाद पर ही करेगा, अन्यथा नहीं, जब वह अपराध-(M.P. A.P.O. 1993)

- (a) धारा 498 (क) भारतीय दण्ड विधान के अधीन हो
- (b) अध्याय 20 के अधीन (विवाह के विरुद्ध) है

(c) अध्याय 21 के अधीन (मानहानि संबंधी), राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति अथवा राज्य के राज्यपाल के विरुद्ध है

(d) अंतर्गत धारा 376 (क), 376 (ख), 376 (ग), 376 (घ), भारतीय दण्ड विधान (ऐसा मैथुन जो बलात्कार की श्रेणी में नहीं आता) है

62) No Court shall take cognizance of any such offence except on a complaint made by any person aggrieved by the offence or his relative (being related by blood, marriage or adoption) unless the offence—

(a) Is under section 498 (a) of the Indian Penal Code

(b) Is under Chapter 20 (against marriage)

(c) Is under Chapter 21 (relating to defamation), against the President, the Vice-President or the Governor of the State

(d) Is Under sections 376 (a), 376 (b), 376 (c), 376 (d), Indian Penal Code (sexual intercourse which does not fall in the category of rape)

63) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 498A के अधीन दण्डनीय अपराध का संज्ञान लिया जा सकेगा (Bihar (CJ) 2009)

(a) पुलिस रिपोर्ट पर

(b) अपराध से व्यथित व्यक्ति द्वारा परिवाद पर

(c) अपराध से व्यथित व्यक्ति के पिता, माता, भाई या बहिन के परिवाद पर

(d) उपर्युक्त सभी

63) Cognizance can be taken of the offence punishable under section 498A of the Indian Penal Code.

(a) On police report

(b) On complaint by a person aggrieved by the crime

(c) On the complaint of the father, mother, brother or sister of the person aggrieved by the crime

(d) All of the above

64) यदि मजिस्ट्रेट को लिखित में शिकायत की जाती है जो अपराध का संज्ञान लेने में सक्षम नहीं है।(Bihar (CJ) 1999)

- (a) वह शिकायत को खारिज कर देगा।
- (b) वह शिकायतकर्ता को दंडित करेगा
- (c) वह शिकायत का फैसला करेगा।
- (d) वह इसे इस आशय के समर्थन के साथ उचित न्यायालय में प्रस्तुत करने के लिए वापस कर देगा।

64) If a complaint in writing is made to a Magistrate who is not competent to take cognizance of the offence.

- (a) he shall dismiss the complaint.
- (b) he shall punish the complaint
- (c) he shall decide the complaint.
- (d) he shall return it for presentation to the proper Court with a endorsement to that effect.

65) दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 202 के अंतर्गत पुलिस को अनुसंधान करने के लिए निर्देश-(M.P. (CJ) (S-II) 2018)

- (a) परिवादी की शपथ पर परीक्षा किए बिना नहीं दिया जा सकता
- (b) परिवादी की शपथ पर परीक्षा के बिना दिया जा सकता है
- (c) परिवादी की शपथ पर परीक्षा कर या उसके बिना दिया जा सकता है.
- (d) किन्हीं भी परिस्थितियों में नहीं दिया जा सकता

65) Instructions to police to conduct investigation under section 202 of the Code of Criminal Procedure-

- (a) Cannot be given without examining the complainant on oath
- (b) may be given without examination on oath of the complainant
- (c) The examination of the complainant may be given with or without oath.
- (d) cannot be given under any circumstances

66)दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 198 के अंतर्गत कोई न्यायालय भारतीय दण्ड संहिता की धारा 498 में दण्डनीय अपराध का संज्ञान निम्न किस व्यक्ति के परिवाद पर करेगा?(M.P. A.P.O. 2000)

- (a) स्त्री का पति
- (b) स्त्री का पिता
- (c) स्त्री की माता
- (d) इनमें से कोई भी

66) Under Section 198 of the Code of Criminal Procedure, a court will take cognizance of an offence punishable under Section 498 of the Indian Penal Code on the complaint of which of the following persons?

- (a) Woman's husband
- (b) Father of the woman
- (c) Woman's mother
- (d) Any of these

67). भारतीय दण्ड संहिता की धारा 376ख के अंतर्गत दण्डनीय अपराध का, पति के विरुद्ध, संज्ञान किसी न्यायालय द्वारा नहीं लिया जाएगा जब तक कि परिवाद पेश नहीं किया जाता है-(Raj. A.P.O. 2015)

- (a) पत्नी के पिता द्वारा
- (b) पत्नी के अन्य रिश्तेदारों द्वारा

- (c) उसकी पत्नी द्वारा
- (d) किसी NGO द्वारा

67). No court shall take cognizance of an offence punishable under section 376B of the Indian Penal Code against the husband unless a complaint is presented -

- (a) By the wife's father
- (b) By other relatives of the wife
- (c) By his wife
- (d) By an NGO

68)निम्न में से दण्ड प्रक्रिया संहिता की किस धारा के अंतर्गत सत्र न्यायालय को मामला सुपुर्व हुए बिना संज्ञान लेने की आरंभिक क्षेत्राधिकारिता है?(M.P. H.J.S. 2016)

- (a) 199(2)
- (b) 190
- (c) 201
- (d) 193

68)Under which of the following sections of the Code of Criminal Procedure, the Sessions Court has the initial jurisdiction to take cognizance without committing the case?

- (a) 199(2)
- (b) 190
- (c) 201
- (d) 193

69)भारतीय दण्ड संहिता के अध्याय XXI के अंतर्गत मानहानि के अपराध का संज्ञान लिया जा सकता है-(U.P. (CJ) 2013 U.P.A.P.O. 2015)

Estd. 2008

- (a) पुलिस रिपोर्ट पर
- (b) पीड़ित व्यक्ति द्वारा परिवाद पर
- (c) स्वतः न्यायालय द्वारा
- (d) उपरोक्त सभी

69) Cognizance of the offence of defamation can be taken under Chapter XXI of the Indian Penal Code-

- (a) On police report
- (b) On complaint by the victim
- (c) By the court suo motu
- (d) All of the above

70) एक मजिस्ट्रेट किस धारा के तहत अभियुक्त को व्यक्तिगत उपस्थिति से निवारित कर सकता है?(Jharkhand (CJ) 2018)

- (a) धारा 204, CrPC
- (b) धारा 205, CrPC
- (c) धारा 206, CrPC
- (d) धारा 207, CrPC

70). Under which section can a Magistrate restrain the accused from personal appearance?

- (a) Section 204, CrPC
- (b) Section 205, CrPC
- (c) Section 206, CrPC
- (d) Section 207, CrPC

71) किस वाद में यह निर्धारित हुआ है कि अभियुक्त के विरुद्ध आरोप विरचित करने या संज्ञान में लेने के समय अभियुक्त को कोई दस्तावेज प्रस्तुत करने का अधिकार नहीं है?(U.P. A.P.O. 2007)

Estd. 2008

- (a) अनिल रायल बनाम बिहार राज्य
- (b) उड़ीसा राज्य बनाम देबेन्द्र नाथ पाठी
- (c) बनी सिंह बनाम उ.प्र. राज्य
- (d) प्रताप सिंह बनाम झारखण्ड राज्य

71) In which case it has been determined that the accused does not have the right to produce any document at the time of framing or taking cognizance of the charge against the accused?

- (a) Anil Rayal vs. State of Bihar
- (b) State of Orissa vs. Debendra Nath Padhi
- (c) Bani Singh vs. U.P. State
- (d) Pratap Singh vs. State of Jharkhand

72) प्रत्येक दण्डिक मामले में मजिस्ट्रेट द्वारा अभियुक्त को दोषी करार करने के बाद दण्डादेश से पूर्व अभियुक्त की सुनवाई आवश्यक होगी : (Chhattisgarh (CJ) 2003 U.P. A.P.O. 2005, 2007)

- (a) गलत, समन मामलों में आवश्यक नहीं है
- (b) सही, बिना सुनवाई किए दण्डादेश पारित नहीं किया जा सकता
- (c) केवल सजा वारण्ट भेजने के पहले आवश्यक है
- (d) किसी भी मामले में आवश्यक नहीं है

72) In every criminal case, after the Magistrate has declared the accused guilty, it will be necessary to hear the accused before passing sentence:

- (a) Wrong, is not necessary in summons cases
- (b) True, sentence cannot be passed without hearing.
- (c) Only before sending the sentencing warrant

(d) Is not necessary in any case

73) यदि किसी विचारण कार्यवाही में अभियुक्त दोषी होने का अभिकथन करता है, तो विचारणकर्ता न्यायालय :(M.P. A.P.O. 1993)

- (a) उसके अभिवचन के आधार पर उसे दोष सिद्ध कर सकेगा
- (b) उसके अभिकथन के आधार पर उसे दोष सिद्ध नहीं करेगा
- (c) यदि अभियुक्त के अभिवचन के आधार पर दोष सिद्ध नहीं किया जाता तो साक्षियों के परीक्षण के लिए तारीख नियत करेगा
- (d) उपर्युक्त कोई विकल्प सही नहीं है

73) If in any trial proceeding the accused pleads guilty, the trial court shall:

- (a) Will convict him on the basis of his plea
- (b) will not convict him on the basis of his plea
- (c) If the accused is not convicted on the basis of his plea, he will fix a date for the examination of the witnesses.
- (d) None of the above options is correct

74)दं.प्र.स. की निम्नलिखित कौन-सी धारा में मजिस्ट्रेट परिवाद को खारिज करेगा?(Raj. A.P.O. 2015 Uttarakhand (CJ) 2013)

- (a) धारा 202
- (b) धारा 201
- (c) धारा 203
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Estd. 2008

74)Under crpc which of the following sections the Magistrate may dismiss the complaint?

- (a) Section 202
- (b) Section 201

- (c) Section 203
- (d) None of the above

75) उन्हीं तथ्यों पर आधारित द्वितीय परिवाद ग्रहण किया जा सकता है जबकि पूर्व आदेश पारित हुआ हो-(M.P. H.J.S. 2010)

- (a) अपूर्ण रिकॉर्ड के आधार पर
- (b) परिवाद की प्रकृति के संबंध में भ्रम के आधार पर
- (c) आदेशिका शुल्क प्रस्तुत नहीं करने के कारण
- (d) धारा 202 के अंतर्गत की गई जांच के आधार पर

75) A second complaint based on the same facts can be accepted even if the earlier order has been passed -

- (a) On the basis of incomplete records
- (b) On the basis of confusion as to the nature of the complaint
- (c) Due to not submitting the process fee
- (d) On the basis of inquiry conducted under section 202

76) मजिस्ट्रेट किसी अपराध का परिवाद प्राप्त करने पर :(M.P. A.P.O. 1993)

- (a) उसे निरस्त कर देगा यदि वह उस अपराध का संज्ञान करने के लिए प्राधिकृत नहीं है।
- (b) स्वयं ही मामले की जांच करेगा यदि वह अपराध का संज्ञान करने के लिए प्राधिकृत है।
- (c) स्वयं मामले की जांच कर सकता है अथवा किसी पुलिस अधिकारी द्वारा अन्वेषण किए जाने के लिए निर्देश दे सकता है यदि अपराध ऐसा है जिसका संज्ञान करने के लिए वह अधिकृत है अथवा वह अपराध अनन्यतः सत्र न्यायालय द्वारा विचारणीय है।
- (d) परिवादी से अपने सब साक्षियों को पेश करने की अपेक्षा करेगा और उनकी शपथ पर परीक्षा करेगा यदि वह अपराध जिसका परिवाद किया गया है, अनन्यतः सत्र न्यायालय द्वारा विचारणीय है।

76) On receiving a complaint of any crime the Magistrate:

- (a) Cancel it if he is not authorized to take cognizance of the offence.
- (b) Inquire the case himself if he is authorized to take cognizance of the offence.
- (c) May inquire the case himself or direct that it be investigated by a police officer if the offence is one of which he is authorized to take cognizance or the offence is triable exclusively by a Court of Session.
- (d) Require the complainant to produce all his witnesses and examine them on oath if the offence complained of is triable exclusively by the Court of Session.

77) यदि मजिस्ट्रेट को यह प्रतीत होता है कि वह अपराध जिसका परिवाद किया गया है, अनन्यतः सत्र न्यायालय द्वारा विचारणीय है, तो वह धारा 202 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत अभियुक्त के विरुद्ध आदेशिका के जारी किए जाने को मुलतवी कर (M.P. (CJ) 1986, 1996 M.P. (CJ) (S-I) 2019)

- (a) मामला सत्र न्यायालय के सुपुर्द करेगा
- (b) किसी पुलिस अधिकारी को अन्वेषण किए जाने के लिए निर्देश दे सकेगा
- (c) परिवादी से अपने सभी साक्षियों को पेश करने की अपेक्षा करेगा और उनकी शपथ पर परीक्षा करेगा
- (d) परिवाद को सत्र न्यायालय के समक्ष प्रस्तुति हेतु वापस कर देगा

77) If it appears to the Magistrate that the offence complained of is triable exclusively by the Sessions Court, he may postpone the issue of process against the accused under section 202 of the Code of Criminal Procedure.

- (a) Hand over the case to the Sessions Court
- (b) May direct any police officer to conduct investigation

- (c) Require the complainant to produce all his witnesses and examine them on oath
- (d) Return the complaint for presentation before the Court of Session

78)दं.प्र.स. की निम्नलिखित कौन-सी धारा में मजिस्ट्रेट परिवाद को खारिज करेगा?(Raj. A.P.O. 2015 Uttarakhand (CJ) 2013)

- (a) धारा 202
- (b) धारा 201
- (c) धारा 203
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

78)Under Crpc which of the following sections the Magistrate will dismiss the complaint?

- (a) Section 202
- (b) Section 201
- (c) Section 203
- (d) None of the above

79). क्या छोटे अपराधों के मामले में कोई व्यक्ति न्यायालय में उपस्थित हुए बिना अर्थदण्ड डाक द्वारा अदा कर सकता है यदि हां तो किस प्रावधान के अंतर्गत?(Chhattisgarh (CJ) 2003, 2007)

- (a) हां, धारा 207 दं.प्र.सं. के तहत
- (b) हां, धारा 206 दं.प्र.सं. के तहत
- (c) हां, धारा 210 दं.प्र.सं. के तहत
- (d) हां, धारा 294 दं.प्र.सं. के तहत

79). Can a person, in case of minor offences, pay the fine by post without appearing in the court, if yes then under which provision?

- (a) Yes, Section 207 CrPC According to
- (b) Yes, Section 206 CrPC According to
- (c) Yes, Section 210 Cr.P.No. According to
- (d) Yes, Section 294 CrPC According to

80)दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 206 में विशेष समन किसके द्वारा जारी किया जा सकता है-(M.P.A.D.P.O. 2015)

- (a) मजिस्ट्रेट द्वारा
- (b) सेशन न्यायालय द्वारा
- (c) मजिस्ट्रेट व सेशन न्यायालय दोनों के द्वारा
- (d) उच्च न्यायालय द्वारा

80)Under Section 206 of the Code of Criminal Procedure, special summons can be issued by-

- (a) By the Magistrate
- (b) By the Sessions Court
- (c) By both Magistrate and Session Court
- (d) By the High Court

81)धारा 207 या 208 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत अभियुक्त को प्रतिलिपियां प्रदान की जाती हैं-(Uttarakhand A.P.O. 2010 M.P. A.P.O.1995)

- (a) मजिस्ट्रेट द्वारा
- (b) सहायक लोक अभियोजक द्वारा
- (c) परिवादी द्वारा
- (d) पुलिस थाने के भारसाधक अधिकारी द्वारा

Estd. 2008

81) Under Section 207 or 208 of the Code of Criminal Procedure, copies are provided to the accused -

- (a) By the Magistrate
- (b) By the Assistant Public Prosecutor
- (c) By the complainant
- (d) By the officer in charge of the police station

82)दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 206 के अंतर्गत छोटे अपराधों के लिए जुर्माने की अधिकतम राशि है-(Raj. A.P.O. 2015

Raj. J.L.O. 2014

Bihar (CJ) 2009

M.P. A.P.O. 2008)

- (a) 100 रु.
- (b) 500 रु.
- (c) 1,000 रु.
- (d) 2,000 रु.

82)Under Section 206 of the Code of Criminal Procedure, the maximum amount of fine for petty offences is-

- (a) Rs 100
- (b) Rs 500.
- (c) Rs 1,000.
- (d) Rs 2,000.

83)विचारण के दौरान मजिस्ट्रेट यह पाता है कि अपराध का विचारण सेशन न्यायालय द्वारा किया जाना चाहिए तब यह मामले को सुपुर्द करने की कार्यवाही संहिता की किस धारा में करेगा?(M.P. (CJ) 2011 Raj. A.P.O. 2015)

- (a) 209
- (b) 323

- (c) 325
- (d) इनमें से कोई नहीं

83) During the trial, if the Magistrate finds that the offence should be tried by the Sessions Court, then under which section of the Code will he proceed to commit the case?

- (a) 209
- (b) 323
- (c) 325
- (d) none of these

84) धारा 209 दंड प्रक्रिया संहिता के अधीन निम्नलिखित में से प्रकरण मजिस्ट्रेट द्वारा सेशन न्यायालय को मामले सुपुर्द किए जा सकते हैं, यदि मजिस्ट्रेट को यह प्रतीत होता है कि अपराध अनन्यतः सेशन न्यायालय द्वारा विचारणीय है?(M.P. (CJ) (S-II) 2018)

- (a) पुलिस रिपोर्ट के आधार पर संस्थित मामला
- (b) पुलिस रिपोर्ट से भिन्न आधार पर संस्थित मामला
- (c) पुलिस रिपोर्ट के आधार पर संस्थित मामला एवं पुलिस रिपोर्ट से भिन्न आधार पर संस्थित मामला दोनों
- (d) इनमें से कोई नहीं

84) Under Section 209 of the Code of Criminal Procedure, in which of the following cases the Magistrate can hand over the cases to the Sessions Court, if it appears to the Magistrate that the crime is triable exclusively by the Sessions Court?

- (a) Case instituted on the basis of police report
- (b) Case instituted on grounds other than police report
- (c) Both the case instituted on the basis of police report and the case instituted on the basis other than the police report.

Estd. 2008

(d) none of these

85). मजिस्ट्रेट द्वारा कोई मामला सेशन न्यायालय को सुपुर्द किया जा सकता है-(Raj. J.L.O. 2014)

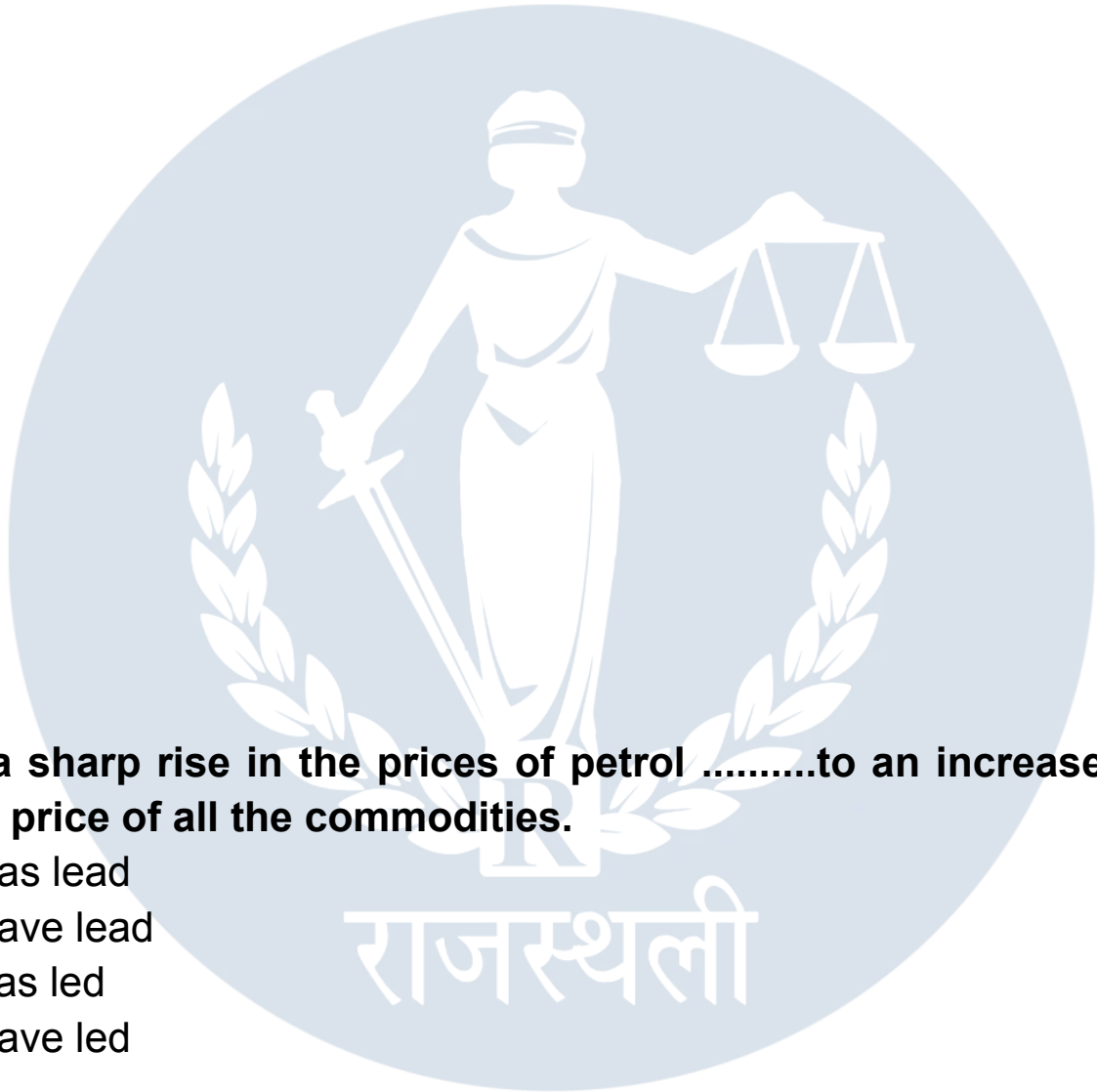
- (a) धारा 209 एवं धारा 323 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अधीन
- (b) धारा 209 एवं धारा 325 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अधीन
- (c) धारा 208 एवं धारा 323 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अधीन
- (d) धारा 208 एवं धारा 325 दण्ड प्रक्रिया संहिता के अधीन

85). Any case may be committed by the Magistrate to the Court of Session -

- (a) Under Section 209 and Section 323 of the Code of Criminal Procedure
- (b) Under Section 209 and Section 325 of the Code of Criminal Procedure
- (c) Under Section 208 and Section 323 of the Code of Criminal Procedure
- (d) Under Section 208 and Section 325 of the Code of Criminal Procedure

R
राजस्थली

Estd. 2008



1) a sharp rise in the prices of petrolto an increase in the price of all the commodities.

- a)has lead
- b)have lead
- c)has led
- d)have led

2) i missed the last bus due to cats and dogs rain which I usually

- a)catch
- b)catched
- c)caught

d)catches

3) my obstinate brotherfor office last Saturday to call off/put off significant meeting.

a)left

b)had left

c)will have left

d)has left

4) i studied till 10 pm to take the cake then Itobed.

a)go,zero article

b)went, the

c)went, zero article

d).gone, the

5) the ministry .several seminal proposal to implement good policies

a)considered

b)had been considered

c)was considered

d)has been considered

6)the police identify them. the comen to the villagers on a podium so that they could

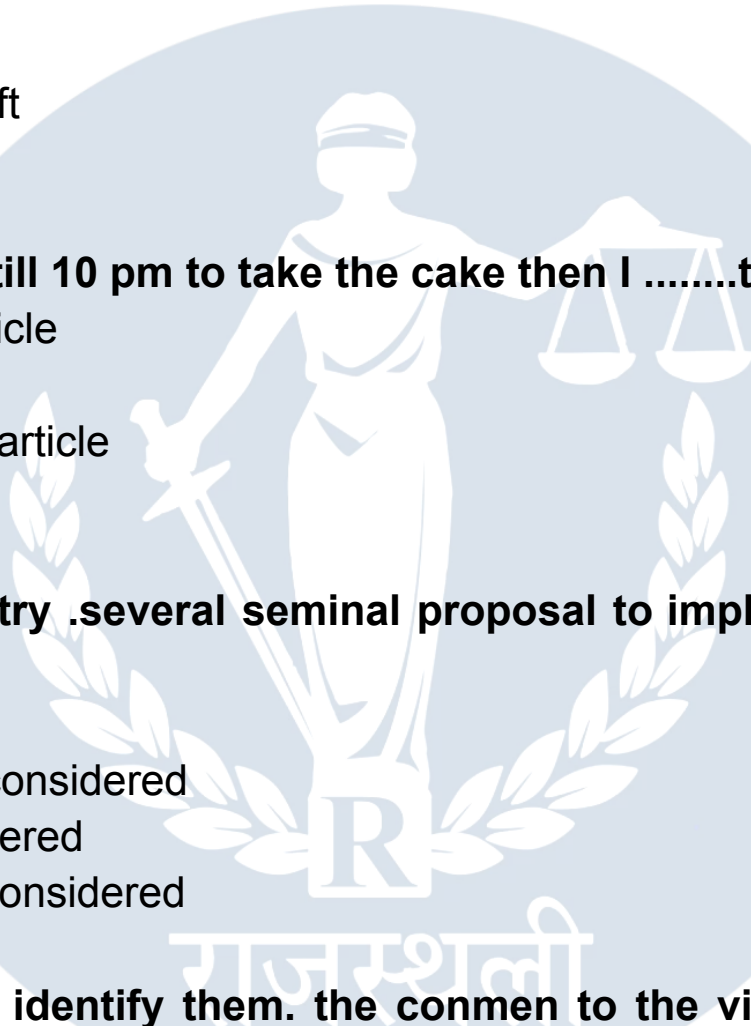
a)bring

b)brings

c)will bring

d)brought

7) ithis verdant garden since my father's demise.



- a) am looking after
- b) have been looking for
- c) have been looking after
- d) am looking for

8) jhon altercation. delectable food last night while he was watching riff raff people's

- a) eat
- b) eats
- c) ate
- d) had eaten

9) the agile huntera tiger with spear in dense forest.

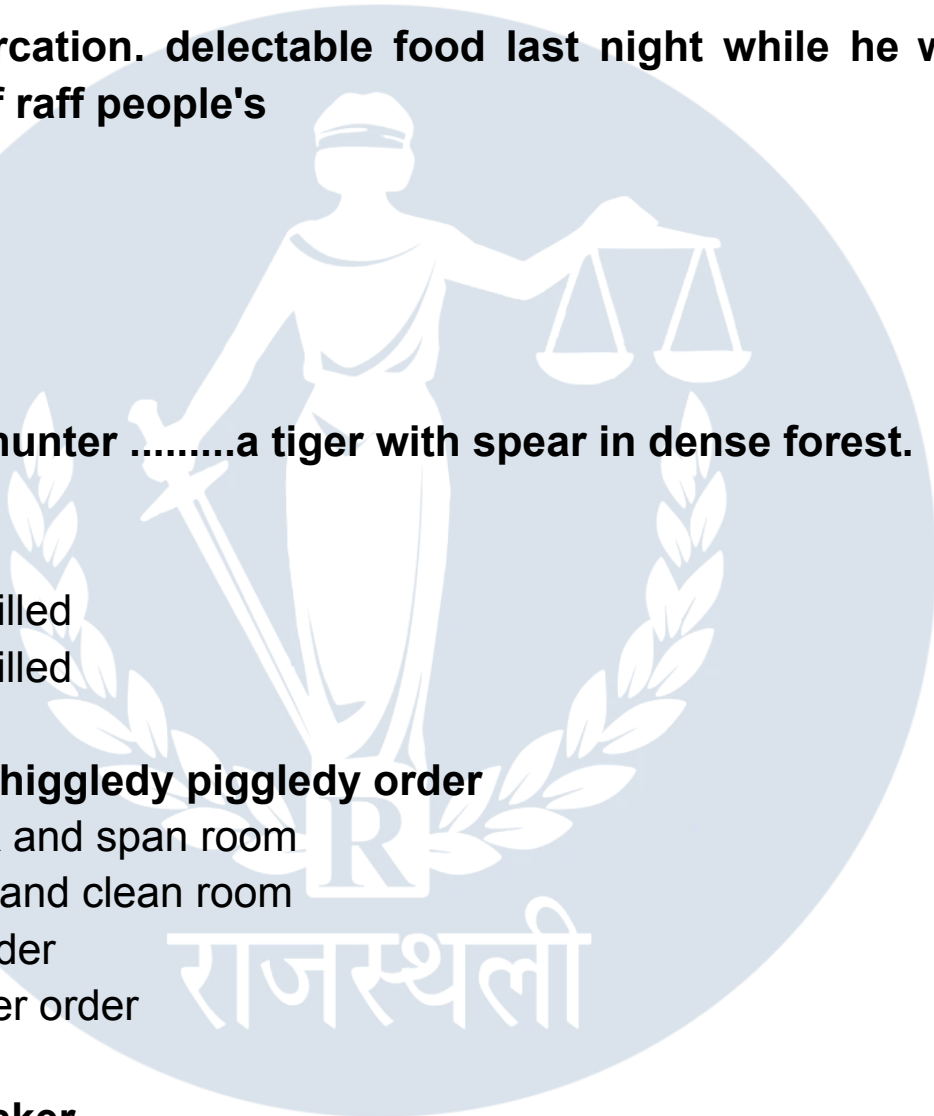
- a) killed
- b) was killed
- c) had been killed
- d) has been killed

10)10.put in higgledy piggledy order

- a) put in spick and span room
- b) put in neat and clean room
- c) put in disorder
- d) put in proper order

11)cat's whisker

- a) assume oneself superior
- b) assume oneself inferior
- c) assume oneself prudent
- d) assume oneself obstinate



Estd. 2008

12)bee line path

- a)use mud path
- b)use short path
- c)use long path
- d)use serpentine path

13)kangaroo court

- a)court without appropriate law
- b)a forest fill with kangaroos
- c)court fill with good judges
- d)court fill with good lawyers

14)look down upon

- a)honour somebody
- b)insult somebody
- c)see somebody with contempt
- d)praise somebody

15)stir hornet nest

- a)make good relation with someone
- b)make bitter relations with someone
- c)encounter with a powerful person
- d)attack a person covertly

1)सदैव एकवचन में कौनसी संज्ञा होती है?

- (अ) भाव वाचक
- (ब) जाति वाचक
- (स) व्यक्ति वाचक
- (द) ये सभी

Estd. 2008

2)जातिवाचक संज्ञा का उपभेद

- (अ) व्यक्ति वाचक
- (ब) द्रव्य वाचक
- (स) भाव वाचक
- (द) ये सभी

3)निम्न पदों में संज्ञा का नाम बताइए-

“महामना” जी ने काशी हिन्दू विश्व विद्यालय की स्थापना की।

- (अ) जातिवाचक
- (ब) व्यक्ति वाचक
- (स) भाव वाचक
- (द) समूह वाचक

4)निम्न पदों में संज्ञा का नाम बताइए-

देश में अनेक “विभीषण” पैदा हो गए हैं ?

- (अ) भाव वाचक
- (ब) व्यक्ति वाचक
- (स) जाति वाचक
- (द) ब व स दोनों

5)“वहाँ” कौन खड़ा था?

- (अ) प्रश्नवाचक
- (ब) निश्चयवाचक
- (स) अनिश्चयवाचक
- (द) पुरुषवाचक

6)'आप' भला तो जग भला।

- (अ) उत्तमपुरुष
- (ब) मध्यमपुरुष



Estd. 2008

- (स) अन्यपुरुष
(द) निजवाचक

7) "यह" मेरा घर है।

- (अ) निश्चयवाचक
(ब) निजवाचक
(स) पुरुषवाचक
(द) प्रश्नवाचक

8) अब इस घर की देखभाल "कौन" करेगा ?

- (अ) प्रश्नवाचक
(ब) निजवाचक
(स) पुरुषवाचक
(द) निश्चयवाचक

9) निम्नलिखित शब्दों को नामधातु क्रिया में परिवर्तित करें "फिल्म"

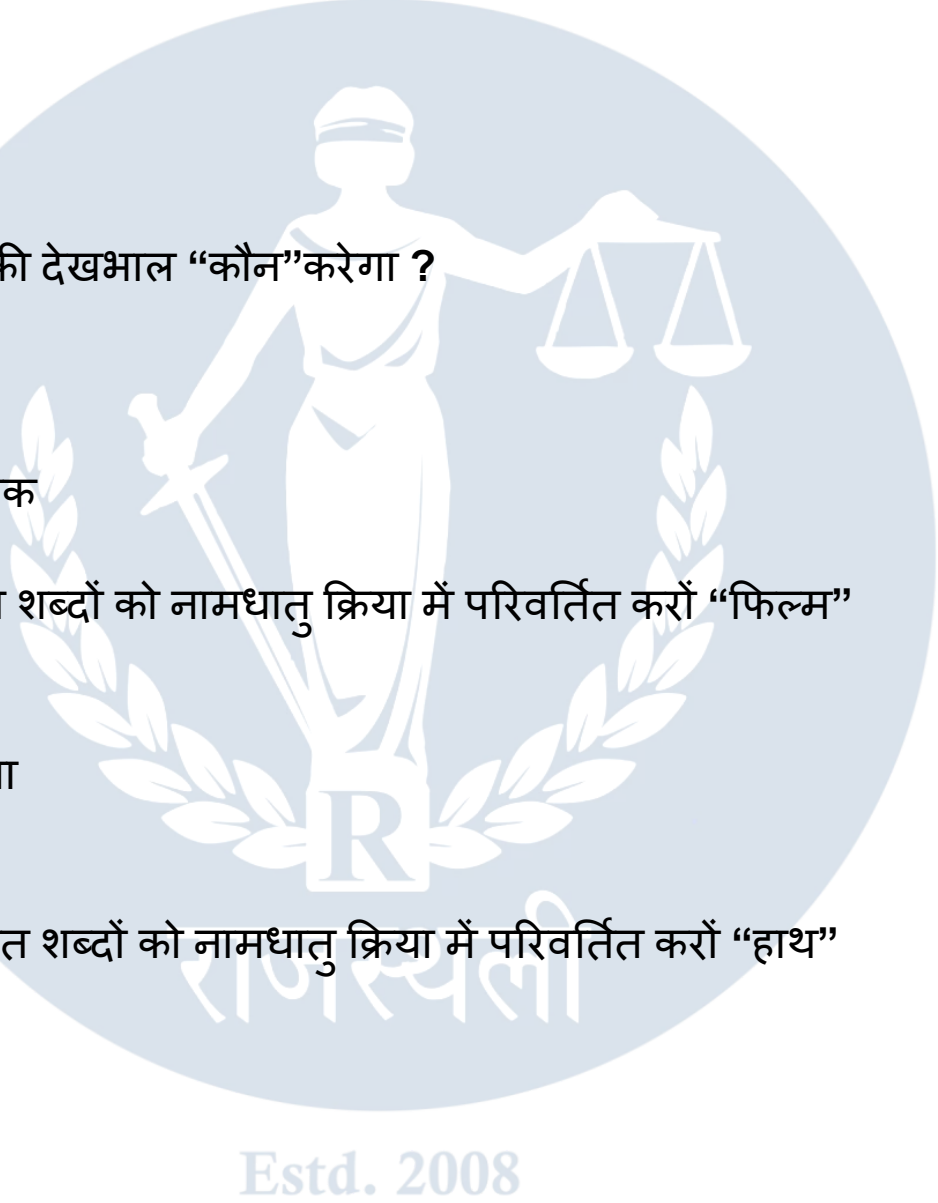
- (अ) फिल्मी
(ब) फिल्माना
(स) फिल्मियाना
(द) ये सभी

10) निम्नलिखित शब्दों को नामधातु क्रिया में परिवर्तित करें "हाथ"

- (अ) हथाना
(ब) हथियाना
(स) हथलाना
(द) हड़पना

11) निम्नलिखित शब्दों को नामधातु क्रिया में परिवर्तित करें "लात"

- (अ) लतानिया
(ब) ललित



- (स) लतियाना
- (द) लताडन

12) निम्नलिखित शब्दों को नामधातु क्रिया में परिवर्तित करों “अपना”

- (अ) अपनाना
- (ब) अपनापन
- (स) आपणी
- (द) ये सभी

13) ‘धीरे’ किस क्रिया विशेषण का उदाहरण है-

- (अ) रीतिवाचक
- (ब) परिणाम वाचक
- (स) काल वाचक
- (द) स्थान वाचक

14) विस्मयादिबोधक अव्यय का उदाहरण है-

- (अ) आह
- (ब) आश्चर्य
- (स) कोध
- (द) खुशी

15) विराम चिन्हों के उपयोग से-

- (अ) वाक्य-गठन सुंदर हो जाता है।
- (ब) भाव-विचार सरल और सुबोध हो जाते हैं।
- (स) लेखक की मनोदशा का पता चलता है।
- (द) लिखावट सुंदर बन जाती है।

Esttd. 2008



Answer key-

Estd. 2008

Law-

1-c

2-a
3-d
4-c
5-d
6-c
7-d
8-d
9-c
10-d
11-d
12-b
13-b
14-c
15-d
16-b
17-c
18-a
19-d
20-d
21-d
22-c
23-d
24-c
25-a
26-d
27-a
28-c
29-d
30-c
31-c



राजस्थली

Estd. 2008

32-a
33-c
34-c
35-a
36-b
37-d
38-b
39-d
40-d
41-d
42-d
43-c
44-b
45-d
46-a
47-c
48-c
49-b
50-c
51-a
52-a
53-b
54-c
55-d
56-c
57-d
58-a
59-d
60-c
61-a



राजस्थली

Estd. 2008

62-a
63-d
64-d
65-a
66-a
67-c
68-a
69-b
70-b
71-b
72-a
73-a
74-c
75-c
76-d
77-c
78-c
79-b
80-a
81-a
82-c
83-a
84-c
85-a



Estd. 2008

English-

1-c
2-a
3-a
4-c
5-a
6-d
7-c
8-c
9-a
10-c
11-a
12-b
13-a
14-c
15-c

Hindi-

1-अ
2-ब
3-ब
4-स
5-अ
6-द
7-अ
8-अ
9-ब
10-ब
11-स



Estd. 2008

12-अ

13-अ

14-अ

15-ब



Estd. 2008



Estd. 2008



Estd. 2008



Estd. 2008



Estd. 2008



Estd. 2008



Estd. 2008



Estd. 2008



Estd. 2008



Estd. 2008



Estd. 2008